BISHOP SCOTT BOYS' SCHOOL
(Affiliated to CBSE, New Delhi) Affiliation No.: 330726, School Campus: Chainpur, Jaganpura, By-Pass, Patna 804453.
Phone Number: 7061717782, 9798903550. ,
Web: www.bishopscottboysschool.com Email: info@bishopscottboysschool.com

STUDY COURSE MATERIAL

HINDI

SESSION-2020-21

CLASS- IX

TOPIC: सांवले सपनों की याद

DAY-1

❖ TEACHING MATERIAL

लेखक परिचय - साहित्यकार जाबिर हुसैन का जन्म सन 1945 में ग्राम नौनहीं राजगीर , जिला नालंदा बिहार में हुआ था।उन्होंने अंग्रेजी भाषा एवं साहित्य का अध्यापन कार्य किया।सन 1977 में बिहार के मुंगेर विधानसभा क्षेत्र के विधायक चुने गए तथा मंत्री भी बने। सन 1945 में बिहार विधान परिषद के सभापति बने तथा लंबे समय तक कार्य किया । वे राजनीतिज्ञ होने के साथ-साथ श्रेष्ठ लेखक भी हैं।
रचना परिचय - जाबिर हुसैन हिंदी, अंग्रेजी तथा उर्दू तीनों भाषाओं के जानकार हैं और तीनों भाषाओं में कुशलता पूर्वक लेखन कार्य करते हैं । उनकी कृतियों में प्रमुख है--

जो आगे है , डोला बीवी का मजार , अतीत का चेहरा, एक नदी रेत भरी आदि।
भाषा शैली - इनके कृतियों में प्रयुक्त भाषा आम आदमी के निकट है। उनकी भाषा कलात्मक , सरल तथा रोचक है। उन्होंने अपनी रचनाओं में आवश्यकतानुसार तत्सम शब्दों तथा उर्दू और अंग्रेजी भाषा के शब्दों का प्रयोग किया है।

https://www.philoid.com/epub/ncert/9/119/ihks104

DAY-2

❖ TEACHING MATERIALS

पाठ का परिचय- सांवले सपनों की याद जाबिर हुसैन द्वारा लिखित संस्मरण है जो प्रसिद्ध पक्षी विज्ञानी सालिम अली को समर्पित है। जून 1987 में सालिम अली की मृत्यु के बाद डायरी शैली में लिखा गया है। सालिम अली की मृत्यु से दुखी लेखक ने अपने दुख और अवसाद को इस पाठ के रूप में व्यक्त किया है। लेखक ने सालिम अली को पक्षी विशेषज्ञ होने के साथ-साथ पर्यावरण प्रेमी भी माना है।
सालिम अली इस बात से दुखी थे कि लोग पक्षियों को आदमियों की नजर से देखते हैं। वे झरने , पहाड़ों , जंगलों को भी इसी दृष्टि से देखते हैं। ऐसे में वे इनके मधुर संगीत का अनुभव नहीं कर पाते। लेखक का मानना है कि इतिहास में पता नहीं कब कृष्ण ने वृंदावन में नाना प्रकार की क्रीड़ाएं की और कब मधुर स्वर में बंसी बजाई कि वृंदावन संगीतमय हो उठा, पर आज वृंदावन जाने पर यमुना का सांवला पानी सारे घटना की याद दिला देता है। कृष्ण की बांसुरी से उत्पन्न जादू से वृंदावन कभी

खाली नहीं हो सकता।
बचपन के दिनों में उनकी एयर गन से घायल होकर गिरने वाली गोरैया उन्हें जीवनभर के लिए नई नई खोज और नए नए रास्तों की ओर ले गई। उसी दिन से वह पक्षियों के विषय में रुचि लेने लगे। प्राकृतिक रहस्य को जानने के लिए नित्य नई ऊंचाइयां छूने लगे। सालिम अली आजीवन भ्रमणशील रहे। उनकी यायावरी देखकर लगता है कि वे आज भी पक्षियों की ही खोज में निकले हैं और कुछ ही देर में अपने गले में दूरबीन लटकाए जानकारी लिए वापस आ जाएंगे।

❖ VIDEO-LINKS

https://youtu.be/LdV6tK0bzs0

DAY-3

TEACHING MATERIAL
पाठ के शब्दार्थ -

परिंदा - पक्षी , वादी - घाटी , सैलानी - सफर करने वाला , हरारत - गर्मी,
वाटिका - छोटा उपवन , हिफाजत - सुरक्षा , क्षितिज - वह काल्पनिक स्थान जहां धरती और आसमान मिलते हुए प्रतीत होते हैं , कायल होना - मान लेना , सहपाठी- साथ पढ़ने वाला , नैसर्गिक - प्राकृतिक , अथाह - गहरा , सुराग- खोज , यायावरी - घुमक्कड़ या घूमने की आदत , जामा पहनाना- लागू करना , काया- शरीर

वकालत करना- पक्ष लेना
मुमकिन - संभव
बर्ड वाचर -पक्षियों के क्रियाकलापों को गहराई से देखने वाला
समर्पित- आदर से दिया हुआ ।

VIDEO-LINKS

DAY-4

TEACHING MATERIAL

पाठ के प्रश्न उत्तर
प्रश्न 1- किस घटना ने सालिम अली के जीवन की दिशा को बदल दिया और उन्हें पक्षी प्रेमी बना दिया?
उत्तर- बचपन में सालिम अली की एयर गन से नीलेकंठ की एक सुंदर गोरैया घायल होकर गिर गई थी । उसकी हालत देखकर उनका ह्रदय द्रवित हो गया। इस घटना ने उनके जीवन की दिशा ही बदल दी और वे पक्षियों की खोज में जुट गए।

प्रश्न 2- सालिम अली ने पूर्व प्रधानमंत्री के सामने पर्यावरण से संबंधित किन संभावित खतरों का चित्र खींचा होगा, जिससे उनकी आंखें नम हो गई थी ?
उत्तर- सालिम अली ने पूर्व प्रधानमंत्री के सामने पर्यावरण से संबंधित गंभीर खतरों को बताया होगा और वृक्षों की कटाई के बारे में कहा होगा।वातावरण के बदलने से अधिकांश पक्षियों पर इसका प्रभाव पड़ेगा। यह सुनकर प्रधानमंत्री की आंखें नम हो गई थी।

प्रश्न 3- लॉरेंस की पत्नी फ्रीडा ने ऐसा क्या कहा होगा कि "मेरी छत पर बैठने वाली गोरैया लॉरेंस के बारे में ढेर सारी बातें

जानती हैं?"
उत्तर- लॉरेंस प्रकृति प्रेमी थे, उन्हें प्रकृति से गहरा लगाव था। शायद यही वजह थी कि वह अपनी छत पर बैठने वाली गोरैया के साथ अपनी पत्नी से अधिक समय बिताते थे। इसलिए फ्रीडा ने ऐसा कहा होगा कि मेरी छत पर बैठने वाली गोरैया लॉरेंस के बारे में ढेर सारी बातें जानती हैं।

प्रश्न 4 - आशय स्पष्ट करें।
क) उत्तर - प्रस्तुत पंक्ति में सालिम अली को कवि डी एच लॉरेंस की तरह प्रकृति प्रेमी कहा गया है। उनका जीवन प्रकृति के अत्यंत निकट था। इसी प्रकार सालिम अली ने भी अपना जीवन प्रकृति ,पक्षी और पर्यावरण की रक्षा का काम करने में लगा दिया।

ख) उत्तर-लेखक कहना चाहते हैं कि सालिम अली की मृत्यु के बाद वैसा पक्षी प्रेमी और कोई नहीं हो सकता। सालिम अली रूपी पक्षी मौत की गोद में समा चुके हैं। उन्हें दूसरों के शरीर की गर्मी और दिल की धड़कन देकर भी जीवित नहीं किया जा सकता है। अर्थात उनके जैसा प्रकृति प्रेमी अब हमें नहीं मिल सकता।

ग) उत्तर- सालिम अली पक्षियों की खोज में किसी स्थान विशेष तक सीमित नहीं रहे। वह टापू की तरह नहीं , सागर की तरह खुले आचार विचार और सोच वाले थे। वे पक्षी, प्रकृति और पर्यावरण के लिए कुछ भी करने को तैयार रहते थे।

❖ VIDEO-LINKS

DAY-5

प्रश्न- इस पाठ के आधार पर लेखक की भाषा शैली की चार विशेषताएं लिखिए।
उत्तर- इस पाठ के आधार पर लेखक के भाषा शैली की चार विशेषताएं निम्नलिखित हैं-
*- मिश्रित शब्दावली - इस पाठ में उर्दू, तत्सम , तद्भव , देशज आदि शब्दों का प्रयोग किया गया है।
* - मुहावरों का प्रयोग - पाठ में लेखक ने जगह-जगह मुहावरों का प्रयोग किया है।
* - जटिल एवं लंबे वाक्यों का प्रयोग- पाठ में जटिल एवं लंबे वाक्यों का जगह-जगह पर प्रयोग किया गया है।
* - भावानुकूल भाषा - लेखक ने भावों के अनुकूल भाषा का ही पाठ में प्रयोग किया है।

प्रश्न 7- सांवले सपनों की याद शीर्षक की सार्थकता पर प्रकाश डालें।
उत्तर- यह संस्मरण सालिम अली की मृत्यु के तुरंत बाद डायरी शैली में लिखी गई है।
उनकी मृत्यु से उत्पन्न दुख और अवसाद को लेखक ने सांवले सपनों की याद के रूप में व्यक्त किया है। इसलिए यह शीर्षक सार्थक एवं सर्वाधिक उचित है।